मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

-::परीक्षा योजना::-

(अ) अंक–योजना :–

प्रश्न पत्र	परीक्षा	प्रश्नों की संख्या	पूर्णांक	अवधि
प्रथम प्रश्न पत्र	मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान	50	200	01 घंटा
द्वितीय प्रश्न पत्र	विषय– संबंधित विषय	150	600	03 घंटे
	योग	200	800	
	साक्षात्कार		100	
	कुल अंक		900	

(ब) प्रश्न पत्र योजना :–

1. परीक्षा का आयोजन दो सत्रों में होगा ।
2. प्रथम प्रश्न पत्र की विषयवस्तु – मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान से संबंधित 50 प्रश्न होंगे । द्वितीय प्रश्न पत्र में विषय से संबंधित प्रश्नपत्र में 150 प्रश्न होंगे। इस प्रकार दोनों प्रश्न पत्र में कुल–200 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। इस प्रकार दोनों प्रश्न–पत्रों का पूर्णांक 800 अंकों का होगा।
3. दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु चार विकल्प (A,B,C,D) होंगे। अभ्यर्थी को उक्त विकल्पों में से केवल एक सही विकल्प का ही चयन करना होगा। अभ्यर्थी द्वारा एक से अधिक विकल्पों का चयन करने पर उत्तर निरस्त कर दिया जाएगा।
4. प्रथम प्रश्न पत्र की अवधि 01 घंटे की होगी । इस प्रश्न पत्र में 50 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। द्वितीय प्रश्न पत्र की अवधि 03 घंटे की होगी । द्वितीय प्रश्न पत्र में संबंधित विषय के 150 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा इस प्रकार लिखित परीक्षा की मेरिट दोनों प्रश्न पत्रों के प्राप्तांको को जोड़कर बनेगी।
5. दोनों ही प्रश्न पत्रों में पृथक–पृथक 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। मध्यप्रदेश के अधिसूचित अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) एवं दिव्यांगजन (PH) श्रेणी के आवेदकों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु 10–10 प्रतिशत अंकों की छूट दी जाएगी इस प्रकार उक्त श्रेणी के आवेदकों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु प्रत्येक प्रश्न–पत्र में पृथक–पृथक न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
6. भाषा संबंधी प्रश्न–पत्रों को छोड़कर समस्त प्रश्न–पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में होंगे।

7. परीक्षा परिणाम के साथ ही अभिलेख–प्रेषण हेतु अंतिम तिथि निर्धारित कर परीक्षा में प्रावधिक सफल अभ्यर्थियों से उनकी अर्हता से संबंधित सभी अभिलेख प्राप्त किए जाएँगे तथा केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा जो अभिलेखों की सूक्ष्म जाँच उपरान्त अर्ह पाए जाएँगे। अंतिम निर्धारित तिथि पश्चात आयोग द्वारा अभिलेख स्वीकार्य नहीं किए जाएंगे।

8. साक्षात्कार :–

साक्षात्कार 100 अंकों का होगा। साक्षात्कार हेतु कोई न्यूनतम उत्तीर्णांक निर्धारित नहीं हैं।

(स) चयन–प्रक्रिया :–

1) चयन–प्रक्रिया के प्रथम चरण में संबंधित प्रश्न पत्र की ऑफलाइन पद्धति (OMR Sheet आधारित) परीक्षा/ऑफलाइन परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

2) परीक्षा उपरान्त परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों की प्रावधिक उत्तर कुंजी तैयार कर आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर प्रकाशित कर 07 दिवस की अवधि में आपत्तियाँ प्राप्त की जाएगी। इस अवधि के पश्चात् प्राप्त किसी भी अभ्यावेदन पर कोई विचार एवं पत्राचार नहीं किया जाएगा । आपत्ति हेतु दिया गया शुल्क किसी भी स्थिति में वापस नहीं किया जाएगा। प्राप्त आपत्तियों पर आयोग द्वारा गठित विषय–विशेषज्ञ समिति द्वारा आपत्तियों पर विचार कर निम्नांकित कार्यवाही की जाएगी :–

1. ऐसे प्रश्न जिनका प्रावधिक कुंजी में दिए गए विकल्पों में से गलत उत्तर दिया गया है और विकल्पों में अन्य विकल्प सही है, तब प्रावधिक उत्तर कुंजी को संशोधित किया जाएगा ।
2. प्रश्न पत्र में अनुवाद की भाषा में भिन्नता की स्थिति में केवल हिन्दी अनुवाद ही मान्य होगा। **(केवल द्वि–भाषी प्रश्न–पत्रों पर लागू)**
3. ऐसे प्रश्न जिसका दिए गए विकल्पों में एक से अधिक सही उत्तर है, सभी सही उत्तरों को मान्य किया जाएगा ।
4. ऐसे प्रश्न जिसका दिए गए विकल्पों में एक भी सही उत्तर न हो, प्रश्न को प्रश्न–पत्र से विलोपित किया जाएगा ।
5. विषय–विशेषज्ञ समिति द्वारा समस्त अभ्यावेदनों पर विचार करने के पश्चात् अंतिम उत्तर कुंजी बनाई जाएगी तथा आयोग द्वारा वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर प्रकाशित की जाएगी। अंतिम उत्तर कुंजी के प्रकाशन के पश्चात् अभ्यर्थियों के कोई भी आपत्ति/पत्र व्यवहार मान्य नहीं किया जाएगा । विषय–विशेषज्ञ समिति का निर्णय अंतिम होगा ।

6. उपरोक्तानुसार समिति द्वारा विलोपित किए गए प्रश्नों को छोड़कर शेष प्रश्नों के आधार पर अंतिम उत्तर कुंजी के अनुसार अभ्यर्थियों का मूल्यांकन कर परीक्षा–परिणाम घोषित किया जाएगा।

3) परीक्षा में प्राप्तांक के गुणानुक्रम के आधार पर विभिन्न प्रवर्गों हेतु विज्ञापित रिक्तियों के अधिकतम 3 गुना तथा समान अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में अभिलेख प्रस्तुत करने हेतु प्रावधिक सफल घोषित किया जाएगा।

4) साक्षात्कार में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों को चयन के लिये अनर्ह माना जाएगा। साक्षात्कार के लिए आवेदकों को बुलाने के संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा। यह निर्णय आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर उपलब्ध रहेगा। अभ्यर्थी समय–समय पर आयोग की वेबसाइट का अवलोकन करते रहें।

5) विज्ञापन की कंडिका–सात–चयन प्रक्रिया (1) के अनुसार–यदि अभ्यर्थी मध्यप्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक का कार्य अतिथि विद्वान के रूप में किया है तो उनके द्वारा अतिथि विद्वान के रूप में किए गए कार्य के आधार पर विभाग द्वारा निर्धारित मापदण्ड अनुसार प्राप्त वरीयता अंक के योग के गुणानुक्रम के आधार पर होगा।

6) आयोग की परीक्षा प्रणाली में पुनर्मूल्यांकन/पुनर्गणना का कोई प्रावधान नहीं है। इस विषय में प्राप्त अभ्यावेदनों पर कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी।

परीक्षा नियंत्रक

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

पाठ्यक्रम–प्रथम प्रश्न–पत्र

मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान

1. <u>मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति एवं साहित्य</u>

- मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएँ, प्रमुख राजवंश।
- स्वतंत्रता आन्दोलन में मध्यप्रदेश का योगदान।
- मध्यप्रदेश की कला एवं संस्कृति।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ एवं बोलियाँ।
- प्रदेश के प्रमुख त्यौहार, लोक संगीत एवं लोक कलाएँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख व्यक्तित्व।

2. <u>मध्यप्रदेश का भूगोल</u>

- मध्यप्रदेश के वन, पर्वत तथा नदियाँ।
- मध्यप्रदेश की जलवायु।
- मध्यप्रदेश के प्राकृतिक एवं खनिज संसाधन।
- ऊर्जा संसाधन : परंपरागत एवं गैर परंपरागत।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख सिंचाई एवं विद्युत परियोजनाएँ।

3. <u>मध्यप्रदेश की राजनीति एवं अर्थशास्त्र</u>

- मध्यप्रदेश की राजनीतिक व्यवस्था (राज्यपाल, मंत्रिमंडल, विधानसभा)
- मध्यप्रदेश में पंचायतीराज व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश की सामाजिक व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश की जनांकिकी एवं जनगणना।
- मध्यप्रदेश का आर्थिक विकास।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख उद्योग।
- मध्यप्रदेश में कृषि एवं कृषि आधारित उद्योग।

4. <u>अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ</u>

- महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ।
- देश एवं प्रदेश की प्रमुख खेल प्रतियोगिताएँ एवं पुरस्कार तथा खेल संस्थाएँ।
- मध्यप्रदेश राज्य की प्रमुख जन कल्याणकारी योजनाएँ।
- मध्यप्रदेश के चर्चित व्यक्तित्व एवं स्थान।

5. <u>सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।</u>

- इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर्स, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।
- रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स एवं सायबर सिक्यूरिटी।
- ई–गवर्नेन्स ।
- इंटरनेट तथा सोशल नेटवर्किंग साईट्स।
- ई–कॉमर्स।

---xxx---

ASSISTANT PROFESSOR EXAM-2022

SYLLABUS- PAPER-I

General knowledge of Madhya Pradesh, National and International level and basic knowledge of computer

1. History culture and literature of M.P.

- Important Historical events and Major dynasties of M.P.
- Contribution of Madhya Pradesh in the Independence movements.
- Art, Architecture and culture of M.P.
- Main Tribes and Dialects of M.P.
- Main festivals, folk music and folk art of M.P.
- Important literary figures of M.P. and their literature.
- Main Tourist places of M.P.
- Important personalities of M.P.

2. Geography of the Madhya Pradesh

- Forest, Mountain and Rivers of M.P.
- Climate of M.P.
- Natural and mineral resources of M.P.
- Energy Resources: Conventional and Non- conventional.
- Main irrigation and Power projects of M.P.

3. Politics and Economy of M.P.

- Political system of M.P. (Governor, Cabinet, Legislative Assembly).
- Panchayati Raj in M.P.
- Social system of M.P.
- Demography and census of M.P.
- Economic development of M.P.
- Main industries of M.P.
- Agriculture and Agri based industries in M.P.

4. Current events of International, National and M.P.

- Important Contemporaneous events.
- Famous sports competitions; awards and sports institution of the State and country.
- Welfare schemes of M.P. state.
- Famous personalities and Places.

5. Information and Communication Technology

- Electronics, computers, information and communication technology.
- Robotics, artificial intelligence and cyber security.
- E- Governance.
- Internet and Social networking site.
- E- Commerce.

---xxx---

(3)

सहायक प्राध्यापक परीक्षा– २०२२

संस्कृत-साहित्य प्राच्य-पाठ्यक्रम

इकाई-१:काव्य के लक्षण, भेद तथा कारण

- आचार्यभामह के अनुसार काव्य के लक्षण, भेद तथा कारण
- आचार्यदण्डी के अनुसार काव्य के लक्षण, भेद तथा कारण
- आचार्यमम्मट के अनुसार काव्य के लक्षण, भेद तथा कारण
- आचार्यविश्वनाथ के अनुसार काव्य के लक्षण, भेद तथा कारण
- आचार्यपण्डितराज जगन्नाथ के अनुसार काव्य के लक्षण, भेद तथा कारण

इकाई-२: काव्य के प्रयोजन, भेदसहित काव्यगुण एवं काव्यदोष

- आचार्यभामह के अनुसार काव्य के प्रयोजन
- आचार्यमम्मट के अनुसार काव्य के प्रयोजन
- आचार्यविश्वनाथ के अनुसार काव्य के प्रयोजन
- आचार्यवामन तथा मम्मट के अनुसार गुणों का लक्षण, त्रिगुण-वाद
- दोष के लक्षण तथा भेद - पद-दोष, अर्थ-दोष,वाक्य-दोष,रस-दोष,रस-विरोध-परिहार

इकाई-३:शब्दशक्तियों के लक्षण एवं प्रकार

- अभिधा का लक्षण, संकेतित अर्थ
- तात्पर्य, तात्पर्य से बोध्य अर्थ, अभिहितान्वयवाद तथा अन्विताभिधानवाद
- लक्षणा का लक्षण, छः भेद तथा छः भेदों के उदाहरण
- व्यञ्जना के लक्षण, भेद- शाब्दी तथा आर्थी और अभिधा-नियामक
- शाब्दी तथा आर्थी व्यंजना के स्वरूप तथा उदाहरण

इकाई-४:रसस्वरूप एवं रसप्रस्थान

- आचार्यभरत का रससूत्र तथा आचार्यमम्मट के अनुसार रस का स्वरूप- विभाव, अनुभाव,संचारी भाव, स्थायी भाव
- रससूत्रसे संबद्ध प्रसिद्ध चार वाद –उत्पत्ति, अनुमिति, भुक्ति तथा अभिव्यक्ति
- रस के नौ भेद तथा उनके उदाहरण
- रस-प्रस्थान के प्रवर्तक तथा समर्थक आचार्य
- रसाभास,भावाभास, भावशान्ति,भावोदय, भावसन्धि तथा भावशवलता के लक्षण और उदाहरण

इकाई-५: ध्वन्यालोक के अनुसार

- ध्वनि प्रस्थान के प्रवर्तक तथा समर्थक आचार्य
- ध्वनि प्रस्थान का मूल
- ध्वनि के तीन विरोधी-अभाववाद, भाक्तवाद, अनिर्वचनीयतावाद
- ध्वनि के लक्षण तथा प्रमुख भेद।
- ध्वनि ही काव्य की आत्मा।

इकाई-६: अलंकार-स्वरूप एवं अलंकार प्रस्थान

- अलंकार प्रस्थान के प्रवर्तक तथा समर्थक आचार्य
- अलंकार के लक्षण तथा भेद-शब्दालंकार और अर्थालंकार
- शब्दालंकार- अनुप्रास, यमक, वक्रोक्ति तथा श्लेष
- सादृश्यमूलक अर्थालंकार-उपमा, अनन्वय,उत्प्रेक्षा, रूपक,अपह्नुति, तुल्ययोगिता, दीपक, समासोक्ति, अप्रस्तुतप्रशंसा, सन्देह, भ्रान्तिमान्, स्मरण, तथा दृष्टान्त
  विरोधमूलक अर्थालंकार-विरोध, विभावना, विशेषोक्ति, असंगति, विषम, अधिक
- अलंकार ही काव्य की आत्मा तथा रस का अलंकार में अन्तर्भाव

इकाई-७: रीति प्रस्थान एवं वक्रोक्ति प्रस्थान

- रीति प्रस्थान के प्रवर्तक तथा समर्थक आचार्य, रीति की काव्यात्मता
- रीति-वैदर्भी, गौडी, पाञ्चाली के लक्षण
- वक्रोक्तिप्रस्थान के प्रवर्तक तथा समर्थक आचार्य, वक्रोक्ति ही काव्य की आत्मा
- वक्रोक्तिका स्वरूप तथा वक्रोक्ति के प्रमुख छः प्रकार-
  वर्णविन्यासवक्रता,पदपूर्वार्धवक्रता,पदपरार्धवक्रता, वाक्यवक्रता, प्रकरणवक्रता तथा प्रबन्धवक्रता।
- तीन मार्ग- सुकुमार, विचित्र तथा मध्यम

इकाई-८: औचित्य का स्वरूप एवं औचित्य प्रस्थान

- औचित्य प्रस्थान के प्रवर्तक आचार्य क्षेमेन्द्र
- औचित्य का मूल तथा लक्षण
- पद, वाक्य, प्रबन्ध और अर्थ के औचित्य
- अलंकार, गुण तथा रस के औचित्य
- औचित्य ही काव्य की आत्मा

इकाई-९:श्रव्यकाव्य एवं दृश्यकाव्य तथा नायक-नायिका भेद

- श्रव्यकाव्य के भेद एवं लक्षण – पद्य, गद्य तथा चम्पू
- पद्यकाव्य के भेद एवं लक्षण – महाकाव्य तथा खण्डकाव्य
- दृश्यकाव्य के भेद एवं लक्षण – नाटक, प्रकरणादि दस रूपक
- नाटक की पाच संधियां तथा अर्थ प्रकृति
- नायक-नायिका-भेद

इकाई-१०: अर्वाचीन काव्यशास्त्री एवं कवि

- आचार्य रेवा प्रसाद द्विवेदी, आचार्य राजेन्द्र मिश्र तथा आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी के अनुसार काव्यलक्षण, काव्यभेद तथा काव्य प्रयोजन
- आचार्य रेवा प्रसाद द्विवेजी, आचार्य राजेन्द्र मिश्र तथा आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी के संस्कृत काव्य
- जगद्गुरू स्वामी रामभद्राचार्य का जीवन परिचय तथा उनकी रचनाएँ
- आचार्य बच्चूलाल अवस्थी, आचार्य भास्कराचार्य तथा श्रीनिवास रथ की संस्कृत रचनाएँ
- आचार्य मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी, आचार्य रहस बिहारी द्विवेदी तथा आचार्य बिन्धेश्वरी प्रसाद मिश्र की संस्कृत रचनाएँ

***